# अर्धवार्षिक परीक्षा, 2018-19

## हिन्दी (केन्द्रिक)

अवधि - 3 घंटे | कक्षा - ग्यारहवीं | पूर्णांक - 100

विद्यार्थी का नाम ..... वर्ग ..... दिनांक - 20.9.2018 (गुरूवार)

निर्देशः -

- इस प्रश्न पत्र के तीन खंड हैं - क, ख और ग।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- प्रश्नोत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न संख्या एवं उपभाग अंकित करना न भूलें ।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

## खण्ड - क

**प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**

संवाद में दोनों पक्ष बोले यह आवश्यक नहीं। प्रायः एक व्यक्ति के संवाद में मौन भागीदारी अधिक लाभकर होती है। यह स्थिति संवादहीनता से भिन्न है। मन से हारे दुःखी व्यक्ति के लिए दूसरा पक्ष अच्छे वक्ता के रूप में नहीं अच्छे श्रोता के रूप में अधिक लाभकर होता है।

बोलने वाले के हाव भाव और उसका सलीका, उसकी प्रकृति और सांस्कृतिक-सामाजिक पृष्ठभूमि को पल-भर में बता देते हैं। संवाद से संबंध बेहतर भी होते हैं और अशिष्ट संवाद संबंध बिगाड़ने का कारण भी बनता है। बात करने से बड़े-बड़े मसले, अंतर्राष्ट्रीय समस्याएँ तक हल हो जाती हैं पर संवाद की सबसे बड़ी शर्त है एक-दूसरे की बातें पूरे मनोयोग से, संपूर्ण धैर्य से सुनी जाएं। श्रोता उन्हें कान से सुनें और मन से अनुभव करें तभी उसका लाभ है, तभी समस्याएँ सुलझने की संभावना बढ़ती है और कम-से-कम यह समझ में आता है कि अगले के मन की परतों के भीतर है क्या ?

सच तो यह है कि सुनना एक कौशल है जिसमें हम प्रायः अकुशल होते हैं। दूसरे की बात काटने के लिए उसे समाधान सुझाने के लिए हम उतावले होते है और यह उतावलापन संवाद की आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता। हम तो बस अपना झंडा गाड़ना चाहते हैं, तब दूसरे पक्ष को झुंझलाहट होती है। वह सोचता है व्यर्थ ही उसके सामने मुंह खोला। रहीम ने ठीक ही कहा था - ''सुनि अठिलैहैं लोग सब, बांटि न लैहैं कोय।'' ध्यान और धैर्य से सुनना पवित्र आध्यात्मिक कार्य है और संवाद की सफलता का मूल मंत्र है। लोग तो पेड़-पौधों से, नदी-पर्वतों से, पशु-पक्षियों तक से संवाद करते हैं। राम ने इन सबसे पूछा था- ''क्या आपने सीता को देखा ?'' और उन्हें एक पक्षी ने ही पहली सूचना दी थी। इसलिए संवाद की अनंत संभावनाओं को समझा जाना चाहिए ।

क) 'संवादहीनता' से क्या तात्पर्य है? यह स्थिति मौन भागीदारी से कैसे भिन्न है ? (2)

ख) भाव स्पष्ट कीजिए - (2)

''यह उतावलापन हमें संवाद की आत्मा तक नहीं पहुंचने देता ।''

ग) दुःखी व्यक्ति से संवाद में दूसरा पक्ष कब अधिक लाभकर होता है, क्यों ? (2)

घ) सुनना कौशल की कुछ विशेषताएं लिखिए । (2)

ड.) राम का उदाहरण क्यों दिया गया है ? (2)

**प्र.2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के समुचित उत्तर दीजिए -**

नीड़ का निर्माण फिर-फिर
नेह का आह्वान फिर-फिर
वह उठी आंधी कि नभ में
छा गया सहसा अंधेरा
धूलि-धूसर बादलों ने
भूमि को इस भांति घेरा,
रात-सा दिन हो गया फिर
रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा,
इस निशा को फिर सबेरा,
रात के उत्पात-भय से
भीत जन-जन, भीत
कण-कण
किंतु प्राची से उषा की
मोहिनी मुसकान फिर-फिर
नीड़ का निर्माण फिर-फिर
नेह का आह्वान फिर-फिर

क) आंधी तथा बादल किसके प्रतीक हैं ? इनके क्या परिणाम होते हैं ? (2)

ख) कवि निर्माण का आह्वान क्यों करता है ? (2)

ग) कवि किस बात से भयभीत है और क्यों ? (1)

घ) ''रात आई और काली'' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । (1)

## खण्ड - ख

**प्र.3 निम्नलिखित में से <u>किसी एक</u> विषय पर निबंध लिखिए -** (8)

क) जीवन संघर्ष है, स्वप्न नहीं

ख) समाज निर्माण में समाचार पत्र की भूमिका

ग) बाल मज़दूरी : एक सामाजिक कलंक

**प्र.4** अस्पताल के प्रबंधन पर असंतोष व्यक्त करते हुए अस्पताल के चिकित्सा-अधीक्षक को पत्र लिखिए। (5)

**अथवा**

देश में बढ़ रही महँगाई के कारण और रोकने के उपाय का उल्लेख करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।

**प्र.5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** **(1×4=4)**

क) संचार के मुख्य प्रकारों के नाम लिखिए ।

ख) डिकोडिंग से क्या समझते हो ?

ग) भारत में सबसे पहले प्रिंटिंग प्रेस कब और कहां खोला गया ?

घ) भारतीय सिनेमा के जनक कौन हैं ?

**प्र.6** '**युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति**' पर फीचर आलेख लिखिए । **(3)**

**अथवा**

'**गहराता जल संकट**' पर फीचर आलेख लिखिए ।

## खण्ड - ग

**प्र.7 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यान से पढ़िए एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **(2×3=6)**

लहराते वे खेत दृगों में
हुआ बेदखल वह अब जिनसे,
हंसती थी उसके जीवन की
हरियाली जिनके तृन-तृन से !
आंखों ही में घूमा करता
वह उसकी आंखों का तारा,
कारकुनों की लाठी से जो
गया जवानी ही में मारा !

क) उपर्युक्त पद्यांश में किसको बेदखल कर दिया गया है ?

ख) किसान किसे देख कर फूला न समाता था ?

ग) कारकुन कौन हैं ? तथा किसे लाठियों से पीट डाला ।

**अथवा**

घर-घर मंतर देत फिरत हैं, महिमा के अभिमाना ।
गुर के सहित सिख्य सब बूडे, अंत काल पछिताना ।।
कहै कबीर सुनो हो संतो, ई सब मर्म भुलाना ।
केतिक कहौं कहा नहीं मानै, सहजै सहज समाना ।।

क) अंतकाल में किसको पछताना पड़ता है ?

ख) घर-घर मंत्र देने वाले गुरू के बारे में कबीरदास जी के क्या विचार हैं ?

ग) सहज रूप में ईश्वर हमें कब मिल सकते हैं ?

**प्र.8 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़िए एवं पूछे गए सौंदर्य बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **(3×2=6)**

चार भाई चार बहिनें, पिता जी जिनको बुढ़ापा,
भुजा भाई प्यार बहिनें, एक क्षण भी नहीं व्यापा,
खेलते या खड़े होंगे, रो पड़े होंगे बराबर,
नज़र उनको पड़े होंगे, पांचवें का नाम लेकर,

क) 'भुजा भाई प्यार बहिनें' पंक्ति में निहित अलंकारों को स्पष्ट कीजिए ।

ख) काव्यांश की भाषा शैली पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए ।

**अथवा**

अंसुवन जल सींचि-सींचि, प्रेम-बेलि बोयी दधि मथि घृत काढ़ि लियो, डारि दयी छोयी
अब त बेलि फैलि गयी, आणंद-फल होयी भगत देखि राजी हुयी, जगत देखि रोयी
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से विलोयी दासि मीरां लाल गिरधर, तारो अब मोही

क) काव्यांश में रूपक अलंकार को स्पष्ट कीजिए ।

ख) काव्यांश की भाषा-शैली पर प्रकाश डालते हुए रस, छंद, अलंकार स्पष्ट करो।

**प्र.9 निम्नलिखित में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** **(2×2=4)**

क) ईश्वर के स्वरूप के बारे में कबीर ने क्या कहा है ?

ख) मीरा को भक्ति मार्ग में किन-किन बाधाओं का सामना करना पड़ा ?

ग) 'नारी' के प्रति किसान का दृष्टिकोण किस प्रकार था ? 'वे आँखें' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

**प्र.10 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**

आपने कहा था कि यहां से जाते समय भारतवर्ष को ऐसा कर जाऊंगा कि मेरे बाद आने वाले बड़े लाटों को वर्षों तक कुछ करना न पड़ेगा, वे कितने ही वर्षों सुख की नींद सोते रहेंगे। किंतु बात उलटी हुई। आपको स्वयं इस बार बेचैनी उठानी पड़ी है और इस देश में जैसी अशांति आप फैला चले हैं, उसको मिटाने में आपके पद पर आने वालों को न जाने कब तक नींद और भूख हराम करना पड़ेगा। इस बार आपने अपना बिस्तरा गरम राख पर रखा है और भारतवासियों को गरम तवे पर पानी की बूंदों की भांति नचाया है। आप स्वयं भी खुश न हो सके और यहां की प्रजा को सुखी न होने दिया, इसका लोगों के चित्त पर बड़ा ही दुःख है।

क) दूसरी बार वायसराय बनने पर लॉर्ड कर्ज़न ने क्या वायदा किया था ? **(2)**

ख) यहां किस बात को उलटा कहा गया है ? **(2)**

ग) लेखक ने लोगों के हृदय का दुःख क्या बताया है ? **(2)**

घ) किसने भारतवायिों को गरम तवे पर पानी की बूंदों की भांति नचाया है ? **(1)**

**अथवा**

मियां कुछ देर सोच में खोए रहे । सोचा पकवान पर रोशनी डालने को हैं कि तभी नसीरूद्दीन साहिब बड़ी रूखाई से बोले - 'यह हम न बतावेंगे। बस, आप इतना समझ लीजिए कि एक कहावत है कि खानदानी नानबाई कुएं में भी रोटी पका सकता है। कहावत जब भी गढ़ी गई हो, हमारे बुजुर्गों के करतब पर ही पूरी उतरती है।' मज़ा लेने के लिए टोका - 'कहावत यह सच्ची भी है कि ....।' मियां ने तरेरा - 'और क्या झूठी है ? आप ही बताइए, रोटी पकाने में झूठ का क्या काम । झूठ से रोटी पकेगी ? क्या पकती देखी है कभी ! रोटी जनाब पकती है आँच से, समझे !'

क) मियां नसीरूद्दीन ने किस चीज़ के लिए कहा कि यह हम न बतावेंगे ?

ख) मियां किस बात का दावा करते हैं ?

ग) लेखिका द्वारा कहावत की सच्चाई पर संदेह प्रकट करने पर मियां नसीरूद्दीन की क्या प्रतिक्रिया थी ?

घ) मियां नसीरूद्दीन स्वयं को किस प्रकार का नानबाई कहते थे ?

**प्र.11 निम्नलिखित में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **(3×3=9)**

क) मुंशी वंशीधर सत्य-पक्ष पर अडिग होते हुए भी अकेले क्यों पड़ गए ? नमक का दारोगा पाठ के आधार पर बताइए ।

ख) मियां नसीरूद्दीन के व्यक्तित्व एवं चरित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

ग) धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी क्यों नहीं मानता था ?

घ) मास्टर त्रिलोक सिंह के किस कथन को लेखक ने ज़बान की चाबुक कहा है, और क्यों ?

**प्र.12** ''लता के कारण चित्रपट संगीत को विलक्षण लोकप्रियता प्राप्त हुई है।'' इस संदर्भ में कुमार गंधर्व की राय व्यक्त कीजिए । **(4)**

**अथवा**

शास्त्रीय संगीत और चित्रपट संगीत में क्या अंतर है ?

**प्र.13 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** **(4×2=8)**

क) चित्रपट संगीत की लोकप्रियता का क्या कारण है ?

ख) गानपन से क्या समझते हो ? आपके विचार में इसे प्राप्त करने के लिए किस प्रकार के अभ्यास की ज़रूरत होगी ?

ग) कुमार गंधर्व ने लता मंगेशकर की कौन-कौन सी विशेषताओं को उजागर किया है। स्पष्ट कीजिए ?

**मौखिक अभिव्यक्ति ।** **(10)**

**परियोजना कार्य ।** **(10)**